अब चिकित्सकों का दल करेगा इलाज

हर सोमवार व शुक्रवार को संवासिनी व किशोरों से पूछेंगे हाल

- स्वस्थ व बीमार बालक व संवासिनियों की शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, वाराणसी : अब प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार को संवासिनी गृह जैतपुरा व राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) रामनगर में चिकित्सकों का दल वहां के बालकों व संवासिनियों का इलाज करेगा। प्रदेश के महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की ओर से जारी इस आशय के शासनादेश के तहत चिकित्सकों का चयन भी किया जा चुका है। उक्त गृहों में रहने वाले बालक व संवासिनियों का चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के दौरान उनमें अंधता, शारीरिक स्थिति, मूक-बधिर, मंदबुद्धि आदि को वर्गीकृत कर निशुल्क जांच व उपचार किया जाएगा जिसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।

बता दें इन गृहों में चिकित्सकों के अभाव में बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें आनन-फानन अस्पताल ले जाया जाता है। वापस आने पर पूरी तरह उनकी मानीटरिंग करना मुश्किल हो जाता है। खासतौर से मानसिक रूप से अक्षम बच्चों की। ऐसे में चिकित्सकों के दल की वहां मौजूदगी होने से बच्चों की सेहत का निरंतर ध्यान रखा जा सकेगा। समय-समय पर जो दवा, सुविधा, जांच की जरूरत होगी वह भी मिलती रहेगी। खास बात यह कि इस दल में वे सभी विशेषज्ञ हैं जिनकी इन बच्चों को जरूरत पड़ती ही है।

पाश्चात्य देख-रेख संगठन में ये होंगे

दल में शामिल राजकीय पाश्चात्य देख-रेख संगठन जैतपुरा में प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार को डा. गुलरेज आलम खां बाल रोग, डा. एसएन दीक्षित त्वचारोग, डा. एमएसएम त्रिपाठी ईएनटी, डा. अमरेंद्र कुमार पौत्स्यायन मनोचिकित्सक, डा. अजय कुमार सिंह मनोचिकित्सक, मार्तंड प्रताप फिजियोथिरेपिस्ट हैं।

संप्रेक्षण गृह (किशोर) में ये शामिल

वहीं राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) में प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार को डा. राजेश अगरैया बालरोग, डा. एसबी सिंह कुशवाहा त्वचा रोग, डा. संजय शर्मा नेत्र रोग, डा. अवनीश कुमार सिंह मनोचिकित्सक, डा. अमरेंद्र कुमार पौत्स्यायन मनोचिकित्सक, मार्तंड प्रताप फिजियोथिरेपिस्ट का चयन किया गया है।

सरकार को दूंगी एंबुलेंस व स्टाफ की कमी के बारे में जानकारी

- राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की सदस्य ने किया औचक मुआयना
- बोलीं- आंगनबाड़ी केंद्र आदर्श, सिर्फ विस्तार की जरूरत

जागरण संवाददाता, वाराणसी : राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की सदस्य रूपा कपूर ने अपनी टीम के साथ गुरुवार को पीएम के सांसद आदर्श गांव नागेपुर, रामनगर स्थित बालगृह, सरैयां स्थित बुनकर बस्ती का औचक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम टीम ने नागेपुर आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों एवं गांव की किशोरियों, महिलाओं के साथ नंदघर में बैठक की। इस मौके पर अन्नप्राशन व गोद भराई का आयोजन हुआ। टीम ने बाल अधिकार, स्वास्थ्य, पोषाहार सहित कई विषय पर चर्चा की। साथ ही बच्चों व महिलाओं में पोषाहार का भी वितरण किया गया।

टीम को आंगनबाड़ी की व्यवस्था जंची। उन्होंने इसके और विस्तार की बात कही। टीम रामनगर स्थित बाल गृह भी गई जहां गहन पड़ताल की गई। शौचालय में गंदगी देख नाराजगी जताई। बच्चों से बातचीत की जिसमें बच्चों ने बताया कि कई बार गृह के कर्मचारी उन पर हाथ उठा देते हैं, इस पर रूपा कपूर ने बच्चों के साथ ठीक से व्यवहार करने की बात कही। गृह के अधिकारियों ने बताया कि सौ से ज्यादा संख्या वाले गृह में केवल सात शौचालय हैं, इससे समस्या होती है। एक भी एंबुलेंस नहीं है। जब बच्चों की तबीयत बिगड़ती है, खासतौर से मानसिक अक्षम बच्चों की तब वाहन नहीं मिलता। कई बार उन्हें पीठ पर लादकर ले जाना पड़ता है। गृह की रसोई देखकर टीम संतुष्ट नजर आई। इस दौरान रूपा कपूर ने काउंसलर को कुछ टिप्स भी दिए। कहा सामान्य व मानसिक रूप से अक्षम बच्चों को संक्षिप्त ड्रामा, नाटक, खेल, प्रतियोगिताओं आदि से जोड़ें, ताकि वे व्यस्त रहें। यहां स्टाफ की कमी, मानसिक रोगी बच्चों के उचित देखभाल के लिए विशेष यूनिट न होने की बात सामने आई। इस दौरान रूपा कपूर ने एक-एक समस्या को सूचीबद्ध किया।

सरैंया की बुनकर बस्ती में टीम बुनकरों के बच्चों से मिली। ज्यादातर बच्चों में आंख व हर वक्त पावरलूम के शोर से कान की समस्या पाई गई। रूपा कपूर ने कहा कि सरकार से मिलकर प्रयास किया जाएगा कि कम से कम यहां के बच्चे कक्षा 12 तक तो जरूर पढ़ सकें। उनकी ट्रेनिंग व नौकरी के लिए प्लेसमेंट कराया जाएगा। इस मौके पर बाल संरक्षण अधिकारी निरुपमा सिंह, मनोचिकित्सक प्रभात कुमार आदि उपस्थित थे। रूपा कपूर ने बताया कि नागेपुर का आंगनबाड़ी केंद्र मॉडल व खूबसूरत केंद्र लगा। गांव के प्रधान व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलकर प्लानिंग के साथ काम करना होगा। इससे हर सुविधा आसानी से जनता तक पहुंचेगी। रामनगर बालगृह में स्टाफ बहुत कम हैं। वहां एंबुलेंस, विशेष यूनिट, चिकित्सकों व नर्स आदि की जरूरत है।